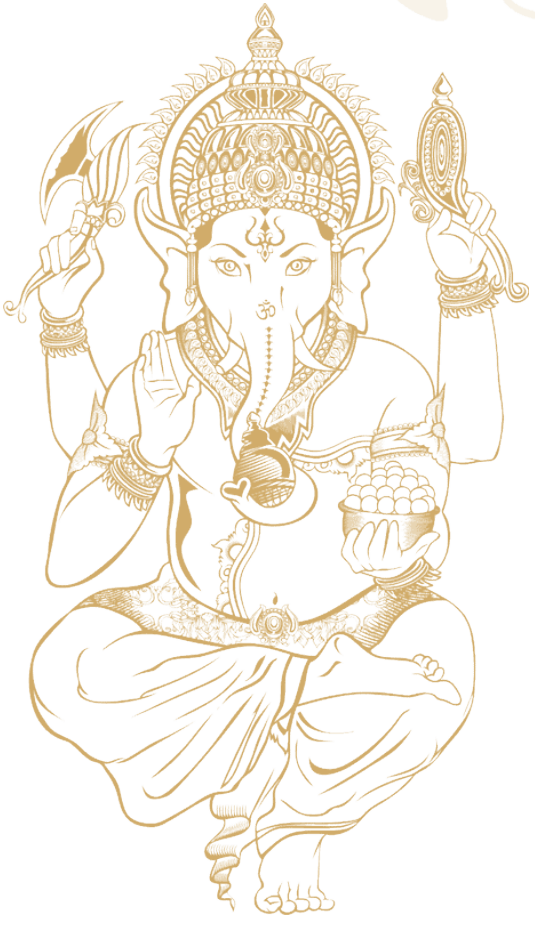

Mr.Abhiyansh raj

23 Feb 2023

10:00 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121071813

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/02/2023**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**10:00:00 घंटे**
इष्ट	09:37:41 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:20:16 घंटे
वेलान्तर	-00:13:25 घंटे
साम्पातिक काल	20:31:32 घंटे
सूर्योदय	06:08:55 घंटे
सूर्यास्त	17:37:42 घंटे
दिनमान	11:28:47 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	10:06:16 कुम्भ
लग्न के अंश	24:48:27 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुभ
करण	वणिज
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	24:48:27	417:48:46	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कुंभ	10:06:16	01:00:26	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मीन	19:43:00	14:05:58	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृष	22:41:59	00:22:09	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	सम राशि
बुध			मक	23:06:51	01:34:22	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	सम राशि
गुरु			मीन	16:24:23	00:13:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मीन	09:20:08	01:13:42	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	कुंभ	04:20:40	00:07:14	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	11:42:58	00:03:16	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	11:42:58	00:03:16	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
हर्ष			मेष	21:11:05	00:01:36	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
नेप			मीन	00:09:42	00:02:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
प्लूटो			मक	05:09:33	00:01:41	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मक	11:20:18	--	श्रवण	--	22	शनि	चंद्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:40

लग्न-चलित

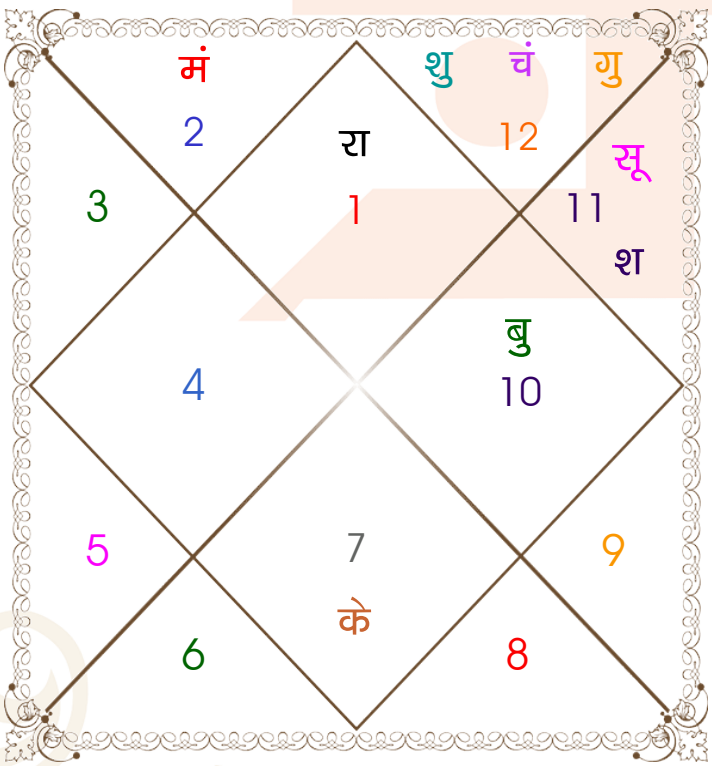

चन्द्र कुंडली

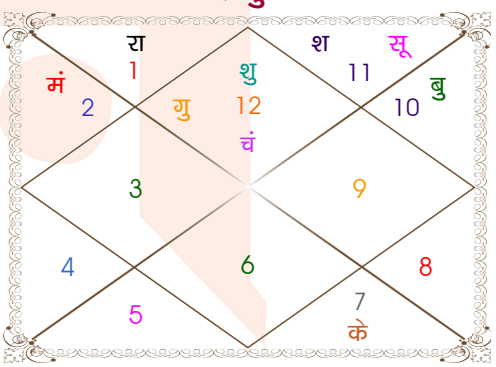

नवमांश कुंडली

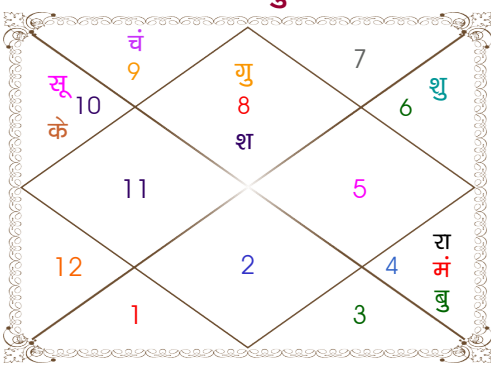

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 13 वर्ष 1 मास 10 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/02/2023		04/04/2036		05/04/2043		05/04/2063		04/04/2069	
04/04/2036		05/04/2043		05/04/2063		04/04/2069		05/04/2079	
	00/00/0000	केतु	31/08/2036	शुक्र	04/08/2046	सूर्य	23/07/2063	चंद्र	02/02/2070
	23/02/2023	शुक्र	31/10/2037	सूर्य	04/08/2047	चंद्र	22/01/2064	मंगल	04/09/2070
शुक्र	28/06/2025	सूर्य	08/03/2038	चंद्र	04/04/2049	मंगल	29/05/2064	राहु	04/03/2072
सूर्य	05/05/2026	चंद्र	07/10/2038	मंगल	04/06/2050	राहु	22/04/2065	गुरु	04/07/2073
चंद्र	04/10/2027	मंगल	05/03/2039	राहु	04/06/2053	गुरु	09/02/2066	शनि	03/02/2075
मंगल	30/09/2028	राहु	23/03/2040	गुरु	03/02/2056	शनि	22/01/2067	बुध	04/07/2076
राहु	20/04/2031	गुरु	27/02/2041	शनि	05/04/2059	बुध	28/11/2067	केतु	02/02/2077
गुरु	26/07/2033	शनि	07/04/2042	बुध	02/02/2062	केतु	04/04/2068	शुक्र	04/10/2078
शनि	04/04/2036	बुध	05/04/2043	केतु	05/04/2063	शुक्र	04/04/2069	सूर्य	05/04/2079

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/04/2079		04/04/2086		05/04/2104		05/04/2120		06/04/2139	
04/04/2086		05/04/2104		05/04/2120		06/04/2139		00/00/0000	
मंगल	01/09/2079	राहु	16/12/2088	गुरु	24/05/2106	शनि	09/04/2123	बुध	01/09/2141
राहु	18/09/2080	गुरु	11/05/2091	शनि	04/12/2108	बुध	17/12/2125	केतु	29/08/2142
गुरु	25/08/2081	शनि	17/03/2094	बुध	12/03/2111	केतु	26/01/2127	शुक्र	24/02/2143
शनि	04/10/2082	बुध	03/10/2096	केतु	16/02/2112	शुक्र	27/03/2130		00/00/0000
बुध	01/10/2083	केतु	22/10/2097	शुक्र	17/10/2114	सूर्य	09/03/2131		00/00/0000
केतु	27/02/2084	शुक्र	23/10/2100	सूर्य	05/08/2115	चंद्र	08/10/2132		00/00/0000
शुक्र	28/04/2085	सूर्य	16/09/2101	चंद्र	04/12/2116	मंगल	16/11/2133		00/00/0000
सूर्य	03/09/2085	चंद्र	18/03/2103	मंगल	10/11/2117	राहु	22/09/2136		00/00/0000
चंद्र	04/04/2086	मंगल	05/04/2104	राहु	05/04/2120	गुरु	06/04/2139		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 13 वर्ष 1 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।